# हम को आन

हम आसमान मा छाये बदरन मा रहित है .हुआं से बरस कै भुईयां पर चले आइत है तुम कागज की नाव बनाय कै हमहिन् मा तैरावत हौ .

बताऊ हम को आन ?

हम सोंता से निकरित हन .तलवा औ झील मा एकट्ठा हुई जाईत है .नदिन मा बहित है , बहि कै समुद्र मा पंहुचित है . हुआं से भाप बनि कै उड़ जाइत है औ बादर बनि कै बरसित है .बताऊ हम को आन ?हम नल मा आयित है ,कुईयाँ से निकारे जाईत हन .बाँधन मा एकट्ठा कीन जाईत है .

बताऊ हम को आन ?

तुम हमहिन से हाँथ मुंह धोवत हौ ,नहात हौ ,कपड़ा धोवत हौ ,पियास लागत है तौ हमका पियत हौ ,हमहिन से खाना बनावत हौ .

सब हरहा –गोरू ,चिरई हमका पियत हैं .

किसान हमसे बिरवा औ फसल सींचत है ,हमहिन मा मछरी रहती हैं .

बताऊ हम को आन ?हमार जरूरत सबका परत है ,अगर हम साफ़ रही तौ तुम्हार सेहत ठीक रही .अगर कोई हमका गंदा करी तौ तुम बीमार परि जयिहौ ,ई मारे तुम हमका हमेशा साफ़ राखेव ,जेत्ता जरूरी होय ओत्ता प्रयोग किहेव ,तब्बै तुम सेहतमंद औ खुस रहिहौ

अब तौ तुम जान गये हुइहौ कि हम को आन ?

हमार नाम बताऊ तौ जानी ....

तुम्हरे घर मा .....???

---

**बादल** –बदरन **प्यास** –पियास

**वहां** -.हुआं **पीते हो** –पियत हौ
**जमीन** -भुईयां **जानवर** -हरहा –गोरू
**बताओ** –बताऊ **पेड़** –बिरवा
**कुआं** –कुइयां **मछली** –मछरी
**किया** –कीन **जितना** –जेत्ता
**धोते हो** –धोवत हौ **उतना** –ओत्ता

## अभ्यास

- हमका पानी कहां से मिलत है ?
- चार ऐसे शब्द लिखौ जीमा बाद मा 'नी' आवत है
- पानी के बारे मा चार बात बताऊ ?
- पानी की बर्बादी कैसे रोकिहौ ?

- पानी पे कोनौ कविता सुनाऊ ?